नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक : 03.11.2018

प्रकाशनार्थ

कोई भी राष्ट्र तब तक पराजित नही होता है जब तक वहॉ के निवासियों में स्वजाति, स्वधर्म एवं स्वाभिमान के प्रति सम्मान का भाव जीवित रहे। यद्यपि कि भारत पर अलग–अलग विदेशी आक्रमणकारियों ने आकर 1200 वर्षो तक भौगोलिक एवं भौतिक रूप से शासन किया, किन्तु भारत की परम्परा, रीतिरिवाज एवं संस्कृति को मिटाने मे वे सर्वथा असफल रहे। यही कारण है कि दासता के 1200 वर्षो की दीर्घ अवधि के बाद भी भारत आज भी अपनी सांस्कृतिक विरासत को सहेजे रखने में सफल रहा है। उक्त बाते महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ में प्राचीन इतिहास विभाग द्वारा आयोजित **'भारत पर होने वाले विदेशी आक्रमण'** विषयक विशिष्ट व्याख्यान के दौरान मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के इतिहास विभाग के पोस्ट डाक्टोटल फेलो डॉ. अजय कुमार सिंह जी ने कही।

डॉ. अजय कुमार सिंह ने आगे बोलते हुए कहा कि भारत पर आदिकाल से 19 वीं शताब्दी तक लगातार अनेक विदेशी जातियाँ आक्रमण करती रही। यूनानी, ईरानी, शक, कुषाण, ससानी, अरबी, तुर्की, हुण, पुर्तगाली, फ्रांसीसी, अंग्रेज आदि अनेक जातियाँ भारत में आक्रमण करने के उद्देश्य से प्रविष्ट हुई। इन आक्रमणकारियों का उद्देश्य सीधा और स्पष्ट था कि भारत को अपना उपनिवेश बनाकर यहॉ पर अपनी संस्कृति को अध्यारोपित किया जाए, किन्तु यह भारत के संस्कृति की दृढ़ जीजिविषा है कि वह आज भी 1200 वर्षो की गुलामी के बाद अपने उसी स्वरूप में है जैसा कि आज से सदियों पहले थी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के इतिहास विभाग के आचार्य डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि भारत होने वाले ये विदेशी आक्रमण हमें अत्यन्त महत्वपूर्ण शिक्षा देते है। ये आक्रमण हमें सिखाते है कि जब–जब हम आंतरित मतभेदों से घिरेंगें, हमारी स्वतंत्रता तब–तब कुचली जाएगी। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री सुबोध मिश्र ने जबकि आभार ज्ञापन श्री मृत्यंजय कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. प्रतिभा मणि त्रिपाठी, श्रीमती शिप्रा सिंह सहित प्राचीन इतिहास एवं इतिहास विषय में विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी